

4, 1233. HARIV. 8971. R. 6, 79, 40. विन्ध्यमालिखत्तमिवाम्बरम् 7, 31, 15. मालिख्य विलिपति *kratzend, scharrend* P. 6, 1, 142, Sch. — 2) *einritzen, reißen, zeichnen, aufschreiben, malen*: (रेखा) पादालिखिता VARĀH. BRH. S. 53, 103. मण्डलमालिख्य 48, 24. GOLĀDHJ. GRAHANĀV. 17. WEBER, RĀMAT. UP. 307. fg. DAČAK. 92, 2. PAÑĀR. 3, 13, 30. Schol. zu ČĀKH. GRHJ. 1, 25. मालिखितमिव मती VARĀH. BRH. S. S. 6, Z. 11. चित्रे ऽपि चालिखत्यस्यान् (विलि<sup>०</sup> MBH. 3, 16670) SĀV. 2, 13. प्रतिमा: MBH. 6, 76. HARIV. 9983. R. 1, 5, 12 (14 GORR.). RAGH. 19, 19. MEGH. 103. MĀLAV. 23. KATHĀS. 51, 132. fgg. 55, 43. fg. 46. 67. fgg. मालिखित इव (unbeweglich) wie gemalt ČĀK. 4, 11. fg. तस्यावाल्लिखितो पथा KATHĀS. 43, 264. — Vgl. मालिखन्, मालेखन्, मालेख्य (auch MEGH. 70), मालिखित. — caus. malen lassen KATHĀS. 53, 68. fg.

— व्या 1) *ritzen, streifen an*: खं व्यालिखन्निव विभाति स मन्दराद्रिः KIR. 5, 30. — 2) *schreiben* Verz. d. Oxf. H. 172, b, 22.

— समा *reißen, zeichnen*: प्रहान्ननत्रगणान्समालिखित् VARĀH. BRH. S. 24, 6. KATHĀS. 37, 9. *schreiben*: वर्षान् SARVADARĀNAS. 170, 16. Verz. d. Oxf. H. 90, a, 22. 98, a, 2. WEBER, RĀMAT. UP. 310.

— उद् 1) *aufritzen, furchen, eine Linie ziehen* ČAT. BR. 2, 1, 2, 4, 3, 13. वेद्याम् KĀTJ. ČR. 2, 6, 26. भूमौ 7, 3, 32. SUČR. 1, 6, 16. medic. *ritzen* 2, 334, 20. VĀGBH. 8, 15. चरणोनालिखन्मकम् *kratzend* MBH. 3, 374. खुरेणावनमुलिखन् BHĀG. P. 10, 36, 9. लाङ्गलोलिखितावनि KATHĀS. 33, 31. वज्रोलिखितपीनास *aufgerissen, aufgeschlitzt* R. 5, 14, 16. उलिखत्तौ सुतीक्ष्णाभिर्दृष्टाभिरितरेतरम् 6, 32, 33. वल्मीकशिखराणि मृङ्गाप्रघटनेहलिखन् PAÑĀT. ed. ORN. 5, 3. मृङ्गाभ्यां तड्द्रमुलिख्य PAÑĀT. 91, 5. विषाणोलिखितस्कन्ध *geritzt, gerieben* Spr. 932. मन्देद्युप्रचरैः शिर उलिखिष्यामि (wohl so zu lesen st. उलिखयिष्यामि; लिखामि die Hamb. Hdschr.) *picken auf* PAÑĀT. 146, 13. एष घोरैः प्रकः स्वातिमुलिखन्खे गभास्तमिः *ritzend* so v. a. *sich reibend an, berührend* HARIV. 4287. खमिवोलिखन् *am Himmelszelt sich gleichsam reibend* d. i. *bis dahin reichend* R. 6, 15, 25. MBH. 3, 2453 (wo खमुलि<sup>०</sup> st. समु<sup>०</sup> mit N. 12, 39 zu lesen ist). शैलमुलिखत्तमिवाम्बरम् R. 4, 43, 38. 5, 3, 36. 7, 18. 17, 22. गगनतलमिवोलिखत्तम् VARĀH. BRH. S. 12, 6. उलिखित n. *Furche, Streifen*: विषाणोलिखिताङ्कित MBH. 6, 2569. 4852. लाङ्गलोलिखित n. HARIV. 5778. — 2) *einritzen*: लेखाम् GOBH. 1, 1, 9. ऀCV. GRHJ. 1, 3, 1. ČM. 2, 6, 9. VARĀH. BRH. S. 53, 102. लक्षणां सुप्र. Br. 5, 2. — 3) *ausschnitzeln, meißeln* KUMĀRAS. 5, 58. स (चित्रकृत्) स्तम्भं वीक्ष्य सुप्रदणं तत्र गौरिं समालिखत् । वृषकारो ऽपि शस्त्रेण क्रोडयैवोलिखे ताम् ॥ KATHĀS. 37, 9. 12. उलिखित = उत्कीर्णं H. an. 4, 100. MED. I. 188. — 4) *zu einem Bilde gestalten* so v. a. *zur Anschauung bringen*: तत्स्यात्प्रवृत्तिज्ञानं (Erkenntniß der Aussenwelt) यन्नीलादिकमुलिखेत् SARVADARĀNAS. 19, 10. घनुलिखित 105, 9. fg. — 5) *glatt machen, schleifen, poliren*: संस्कारो लिखितो महामणिः ČĀK. 133. RAGH. 6, 32. उलिखित = तन्कृत H. an. MED. — 6) *durchziehen, durchflechten*: मत्स्योलिखितमूर्धन् HARIV. 12086. — 7) *ein musikalisches Instrument schlagen*: वापाम् LĀTJ. 4, 1, 3, 10. — 8) *aufreißen* so v. a. *aufstören*: कफम् SUČR. 2, 480, 10. — Vgl. उलिख fgg. — caus. = simpl. 8) *धातून्मूलात्वा देहस्य विशोष्योलेखयेत् च यत् । लेखनं तद्यथा दौद्रं नीरमुञ्चं वचा पवः* ČĀKH. SĀHJ. 1, 4, 10.

— प्रोद् *ritzen, Striche ziehen in*: प्रोलिखत्तौ धारित्रीम् Spr. 1427.

VI. Theil.

*einritzen*: लक्षणां GRHJASĀHJ. 1, 48, 51.

— समुद् 1) *rings umfurchen und ausheben, ausstechen*: पद्म् ČAT. BR. 3, 3, 4, 6. *ritzen, furchen*: तुषारसंघातशिलाः खुरपैः समुलिखन् — ककुब्धान् KUMĀRAS. 1, 57. उत्तरद्वारम् — समुलिखदिवाम्बरम् *das Himmelszelt gleichsam ritzend, sich daran reibend, es berührend* R. 5, 9, 25. — 2) *aufschreiben, niederschreiben, aufführen* (in einem Buche): मालिखितकवादमरः स्वकोषे न यानि नामानि समुलिखेत् ॥ TRĪK. 1, 1, 2. — समुलिखद्विः MBH. 3, 2453 fehlerhaft für खमुलि<sup>०</sup>.

— उप *unreißen, umgrenzen*: वेदीं लक्षणेनोपलिख्य MBH. 12, 1454. — Vgl. उपलेख.

— निम् *ätzen, wund machen* SUČR. 1, 56, 16. 2, 7, 11. 344, 4. — Vgl. निर्लेखन.

— विनिम् *schröpfen* SUČR. 2, 359, 6.

— परि *rings unreißen, mit einer Furche —, mit einem Striche umziehen* TS. 5, 1, 2, 4. ČAT. BR. 3, 3, 4, 5. म्रवटम् 6, 1, 3, 5, 2, 26. 4, 8. म्रस्य पद्म् 6, 3, 2, 23. KĀTJ. ČR. 5, 2, 8. गार्कपत्यस्य परिलिखति *zieht einen Kreis um* 16, 7, 29. KAUC. 25. fg. परिलिखितं रतः *in einen Kreis eingeschlossen* TS. 1, 2, 5, 1. *rings bekratzen, — glatt machen*: पर्वतानानयति स्म नखैः परिलिखति च R. 5, 95, 23. — Vgl. परिलेख fgg. und परिलिखन n. *das Glattmachen, Poliren* MĀRK. P. 106, 65.

— प्र 1) *ritzen, Striche ziehen in*: न चैव प्रलिखेद्भूमिम् M. 4, 55. — 2) *med. sich kämmen* (Comm. *zeichnen*): या प्रलिखते तस्यै खलतिरपमारी शोषते TS. 2, 5, 1, 7. act.: कङ्कतैः PĀR. GRHJ. 2, 14. absol. KAUC. 76.

— प्रति *zurückschreiben, in einem Schreiben antworten*: इमिदानीमनेन प्रतिलिखितम् MĀLAV. 8, 16.

— वि, ved. infin. विलिखम् ईश्वरो विलिखः) P. 3, 4, 13, Sch. 1) *ritzen, zerkratzen, aufreißen, wund machen* LĀTJ. 5, 1, 2, 7, 10. Schol. zu KĀTJ. ČR. 217, 22. लाङ्गलापैर्विलिखति वसुधाम् Spr. 3311. वेदिप्रात्तखुरविलिखितात् ad ČĀK. 78. पादेन कैमं विलिलेख पीठम् RAGH. 6, 15. विलिखत्तं वसुधराम् MBH. 3, 375. चरणैः 41953. R. GORR. 2, 80, 15. 7, 9, 17. SUČR. 1, 105, 13. 2, 144, 21. KUMĀRAS. 2, 23. VARĀH. BRH. S. 51, 13. निर्भिन्दतौ च गात्राणि विलिखतौ च सायकैः HARIV. 13285. SUČR. 1, 60, 13. नखविलिखितशरोरपवपा PAÑĀT. 46, 2. मृङ्गैर्गगनं विलिखन्निव den Himmel gleichsam ritzend, sich an ihm reibend d. i. ihm berührend, bis dahin reichend HARIV. 12842. मृङ्गैर्विलिखत्तमिवाम्बरम् R. 4, 41, 40. पशु म्रस्य कृदयं व्येव लिखेत् so v. a. *wenn es ihm ärgerlich ist* ČAT. BR. 12, 4, 2, 1. 4, 2. — 2) *einritzen, reißen, zeichnen, schreiben, aufschreiben, malen*: कक्षाव्यवृत्तं विलिख्य GOLĀDHJ. SPHUTĀG. 10. 12. WEBER, RĀMAT. UP. 308. 310. fg. PAÑĀR. 3, 12, 3. 13, 28. 4, 5, 38. Verz. d. Oxf. H. 105, b, 24. 32. fg. 258, a, 8. 263, b, No. 633. SARVADARĀNAS. 170, 18. चित्रे ऽपि विलिखत्यस्यान् MBH. 3, 16670. GĪT. 4, 6. BHĀG. P. 10, 62, 21. — Vgl. विलिखन, विलेख fgg., अलिखि. — caus. *einritzen —, schreiben lassen*: विलेखयेत् WEBER, KRSHNĀG. 270. विलिखापयेत् 283.

— सम् 1) *aufritzen, schröpfen* SUČR. 2, 123, 11. — 2) *einritzen, schreiben* WEBER, RĀMAT. UP. 310. PAÑĀR. 3, 13, 29. Verz. d. Oxf. H. 97, b, 31. — 3) *ein musikalisches Instrument schlagen*: वापाम् LĀTJ. 4, 1, 9; vgl. unter उद् 7). — 4) *संलिखित ein Spieldruck*: म्रियं वा संलिखितम् त्रैषमुत् संतर्धम् AV. 7, 50, 5.